A–0308

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DMA 104

DIPLOMA IN MEDICAL ASTROLOGY (DMA)

ग्रहोपचार के विविध आयाम

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×26=52

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गौचर स्थितिवश रोगों का योग कैसे बनता है उल्लेख कीजिए।

2. रत्नों का परिचय देते हुए नवग्रहों के रत्नों का वर्णन कीजिए।

3. ज्योतिषीय चिकित्सा का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

4. सूर्य-राहू-भौम से समन्धित रोगों का उपचार एवं मन्त्रों का उल्लेख कीजिए।

5. दान का क्या महत्व है रोगोपचार में इसकी क्या भूमिका है विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

पान्डु रोग-कुष्ठ रोग एवं मानसिक रोगों के योग तथा ग्रह चिकित्सा सहित वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न $4 \times 12 = 48$

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मूत्र जन्य रोगों का विचार कर इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. ग्रह शान्ति से क्या तात्पर्य है स्पष्ट कीजिए।

3. मन्त्र के स्वरुप का निरूपण कीजिए।

4. स्नान उपचार से क्या तात्पर्य है स्पष्ट कीजिए।

5. अरिष्ट्भंग योग से क्या तात्पर्य है उल्लेख किजिए।

6. मानसिक रोग से क्या तात्पर्य है।

7. सहज रोग क्या है ? टिप्पणी लिखिए।

8. चन्द्र में सूर्य के अंतर दशा का फल लिखिए।

****